IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882
INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन

***Sachin Kumar, **Dr. Suresh Kumar**

*Researcher, Department of Education, Jyoti College of Management Science and Technology, Bareilly, U.P., India

**Assistant Professor, Department of B.Ed & M.Ed, M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly, U.P., India

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन किया है। शोध के उद्देश्य हेतु लिंग, क्षेत्र, वर्ग एवं संस्थान के आधार पर अध्ययन किया गया है। शोधकर्ता ने अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए बरेली जनपद के 120 स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श हेतु किया है। शोधकर्ता ने अध्ययन हेतु स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया। निष्कर्षतः स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों में लिंग एवं क्षेत्र के आधार पर साइबर सुरक्षा के प्रति आनलॉइन शिक्षा की भूमिका में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया जबकि स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों में वर्ग एवं संस्थान के आधार पर साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में सार्थक अन्तर पाया गया।

मूल शब्द– स्नातक स्तर, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन शिक्षा, यादृच्छिक विधि, सर्वेक्षण विधि, स्वनिर्मित मापनी।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन में अति प्राचीन काल से मार्गदर्शन का साधन रही है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ ज्ञान, सदाचार, उचित आचरण, तकनीकी शिक्षा, तकनीकी दक्षता, विद्या आदि को प्राप्त करने की प्रक्रिया से हैं। ऋषि–मुनियों ने भी मानव जीवन के सभी पहलुओं के विकास पर जोर देते हुए बताया कि शिक्षा द्वारा ज्ञान व विवेक की उत्पत्ति होती है।

स्वामी विवेकानन्द के अनुसार (पृष्ठ संख्या 213, 2015) : ''शिक्षा वही है जो बालक के शारीरिक, मानसिक आध्यात्मिक तथा चारित्रिक (नैतिक गुणों) गुणों का विकास कर सके।

भारत में शिक्षा का लक्ष्य केवल बौद्धिक जानकारी देना मात्र न होकर शिक्षार्थी की आर्थिक सुरक्षा के साथ–साथ उसकी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक शक्तियों का विकास करना था। वर्तमान में शिक्षा को विभिन्न तीन स्तरों प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर एवं स्नातक अथवा उच्च स्तर में बाँटा गया है।

स्नातक स्तर की शिक्षा का प्रारम्भ माध्यमिक शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा के बाद होता है। इस स्तर पर विद्यार्थी अपने व्यवसाय सम्बन्धी शिक्षा को प्राप्त करते है। वर्तमान में स्नातक स्तर पर ऑनलाइन शिक्षा का प्रचलन बहुत व्यापक है जिसके द्वारा एक स्थान पर बैठकर शिक्षा लेने में सहायता मिलती होती है।

ऑनलाइन शिक्षा संसाधन, वीडियो कक्षाएं, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और अन्य विभिन्न विधियों का उपयोग करके शिक्षा प्रदान की जाती है। ऑनलाइन शिक्षा को पाने के लिए विद्यार्थी द्वारा उपयोग में लिए गए इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, सोशल नेटवर्क साइट्स व एप्स है, जिनके उपयोग से साइबर क्राइम का खतरा होता हैं। ऑनलाइन शिक्षा में साइबर क्राइम कंप्यूटर या इंटरनेट का इस्तेमाल करके की जाने वाली गैर कानूनी गतिविधियां सोशल नेटवर्किंग इंटरनेट पर धमकियॉ देना या किसी का इस स्तर तक मजाक बनाना कि तंग हो जाये, इंटरनेट पर दूसरों के सामने शर्मिंदा करना, इसे साइबर बुलिंग कहते हैं और अक्सर बच्चे इसका शिकार होते हैं इनसे बचने के लिए साइबर सुरक्षा जरूरी है।

साइबर सुरक्षा में समग्र रूप से वे सभी गतिविधियाँ, लोग और तकनीकी शामिल हैं जिनका उपयोग आपका संगठन सुरक्षा घटनाओं, डेटा उल्लंघनों या महत्वपूर्ण प्रणालियों के नुकसान से बचने के लिए कर रहा है। यह वह तरीका है जिससे आप अपने व्यवसाय को खतरों से और अपने सुरक्षा सिस्टम को डिजिटल खतरों से बचाते हैं। हालाँकि इस शब्द का इस्तेमाल बहुत ही लापरवाही से किया जाता है लेकिन साइबर सुरक्षा निश्चित रूप से आपके व्यावसायिक संचालन का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।

अध्ययन की आवश्यकता और महत्व

स्नातक स्तर को शिक्षा का महत्वपूर्ण स्तर भी माना जाता है यह स्तर की उपाधि एक शैक्षणिक डिग्री है जिसे अध्ययन के एक व्यवसायिक क्षेत्र में अध्ययन करने वाले उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने उसमें प्रवीणता या उच्च स्तरीय ज्ञान अर्जित किया है। स्नातक कक्षाओं तक आते–आते बालक परिपक्व हो जाता है और अपने को समाज का निष्ठ नागरिक बनाने का प्रयास करता है और जटिल समस्याओं को हल करने की और यथातथ्य और स्वतंत्र रूप से विचार करने की क्षमता होती है। आज के आधुनिक युग में स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का एक सरल तरीका ऑनलाइन शिक्षा है।

शिक्षा प्रणाली में ऑनलाइन शिक्षा का नवीनतम रूप माना जाता है, हम अपने शिक्षक से लैपटॉप या सेलफोन में इंटरनेट के माध्यम से उनसे मिलते हैं और ज्ञान प्राप्त करते हैं। स्नातक अवस्था में विद्यार्थी सिर्फ किताबों तक सीमित न रहकर अन्य माध्यमों तथा अखबार मैग्जीन, इण्टरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स आदि के माध्यम से अपने ज्ञान की सन्तुष्टि करता है।

वर्तमान में भारत की बड़ी आबादी ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करती है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करने के कारण साइबर अपराधों के मामले में भारत भी उन देशों से पीछे नहीं है, जहाँ साइबर अपराधों की घटनाओं की दर भी दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। साइबर अपराध के मामलों में एक साइबर अपराधी, किसी उपकरण का उपयोग करके इण्टरनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता की व्यक्तिगत जानकारी, गोपनीय व्यावसायिक जानकारी, सरकारी जानकारी या किसी डिवाइस को अक्षम करने के लिए कर सकता है। इनमें हैकिंग, फ़िशिंग, पहचान की चोरी और मैलवेयर हमले जैसी कई अन्य गतिविधियाँ शामिल है। साइबर अपराध के प्रकृति में अपराध करता दूर रहकर भी अपने अपराध को लक्ष्य बिंदु के संपर्क या सामने आए बिना भी अपराध को अंजाम दे सकता है। साइबर अपराध एक गंभीर समस्या है और इससे निपटने के लिए मज़बूत साइबर सुरक्षा बहुत ज़रूरी है।

साइबर अपराध के प्रति छात्रों में स्कूल व कॉलेजों में साइबर जागरूकता के प्रति कार्यक्रम चलाए जाएं और विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचने की जानकारी दी जाए। हैं। विश्व के सभी देशों में साइबर क्राइम से बचने के लिए विभिन्न नए कानून बनाए गए हैं जो साइबर क्राइम के विषय में स्पष्टीकरण देता है।

प्रस्तुत शोध में उपरोक्त तथ्यों के अनुसार शोधकर्ता स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में साइबर अपराध की कितनी जानकारी है और उनमें साइबर अपराध के प्रति जागरूकता का स्तर कितना है तथा साइबर अपराध किन–किन कारणों से होता है यह जानकारी प्राप्त करना है। परंतु उसे रोकने के लिए क्या–क्या उपाय करना चाहिए यह भी स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को बताना बहुत जरूरी है जिससे वह सोशल मीडिया का सावधानी पूर्वक उपयोग कर सकें। जिसके द्वारा ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध के खतरों से बचा जा सकता है।

समस्या कथन

‘‘स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन’’

संक्रियात्मक परिभाषाएं

स्नातक स्तरः स्नातक स्तर से तात्पर्य शिक्षा के उस स्तर से है जहाँ विद्यार्थी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में व्यवसाय सम्बन्धी शिक्षा प्राप्त करता है।

विद्यार्थीः विद्यार्थी से तात्पर्य उस बालक–बालिका से है जो कुछ भी सीखने की क्रिया में होता है तथा सीखने के लिए वह कॉलेज या विश्वविद्यालय में ज्ञान अर्जन करता है।

साइबर सुरक्षाः साइबर सुरक्षा का तात्पर्य है, इंटरनेट से जुड़े उपकरणों और डेटा को डिजिटल हमलों से बचाना या सुरक्षा, नेटवर्क डिवाइस और डेटा को अनाधिकृत पहुँच या आपराधिक इस्तेमाल से बचाने के लिए की जाती है।

ऑनलाइन शिक्षाः ऑनलाइन शिक्षा का तात्पर्य है, इंटरनेट के ज़रिए दूर से पढ़ाई करना इसे डिस्टेंस लर्निंग या ई–लर्निंग भी कहते है ऑनलाइन शिक्षा में पढ़ाई, लेक्चर और परीक्षाएं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर होती हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन करना।
2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन करना।
3. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् कला एवं विज्ञान वर्ग विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन करना।
4. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

3. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् कला एवं विज्ञान वर्ग विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में कोई सार्थक अंतर है।

4. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में सार्थक अंतर है।

अध्ययन का सीमांकन

1. शोधकर्ता ने शोध अध्ययन में केवल बरेली जनपद तक ही सीमित रखा गया है।

2. प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के रूप में केवल 120 स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि के द्वारा चुना गया है।

3. प्रस्तुत अध्ययन में चर के रूप में केवल ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका को ही लिया गया है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

शम्सी (2023) सामाजिक–मनोवैज्ञानिक प्रभाव का मूल्यांकन व ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका अध्ययन किया। जिन्होंने अपने अध्ययन में गुणात्मक पद्वति का उपयोग किया और कहा कि बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा में विभिन्न साइबर जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से संबंधित सावधानियों को सीखना चाहिए। वह इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के बारे में भी सावधान करता है और इसे साइबर सुरक्षा के उभरने से जोड़ता है। सामाजिक–मनोवैज्ञानिक प्रभाव का मूल्यांकन व ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

एरेंडोर और यिल्दिरिम (2022) ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बढ़ती निर्भरता ने छात्रों को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के बारे में सूचित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है, जिससे एक सुरक्षित डिजिटल शिक्षण वातावरण को बढ़ावा मिल सके। ई–लर्निंग वातावरण में, साइबर सुरक्षा जागरूकता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह छात्रों को संभावित जोखिमों की पहचान करने और प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए ज्ञान से लैस करती है जो उनके शैक्षिक अनुभव और डेटा गोपनीय व ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में सार्थक अंतर है।

एरेंडोर और यिलदिरिम (2021) किर्गिस्तान में, यह प्रस्तुत करते हैं कि किर्गिज़–तुर्की यूनिवर्सिटी ऑफ़ मानस के छात्र ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका प्रक्रिया में साइबर सुरक्षा के बारे में किस हद तक जानते हैं, उन्होंने पाया कि अधिकांश छात्रों को इंटरनेट के उपयोग और साइबर खतरों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं थी।

डेंगसी एट (2021) थाईलैंड में, फ़िशिंग हमलों के माध्यम से थाई क्षेत्र में एक बड़े वित्तीय संस्थान में देश भर में लगभग 20,000 कर्मचारियों की साइबर सुरक्षा जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया, पाया कि इस संगठन के थाई कर्मचारियों की साइबर सुरक्षा जागरूकता इंटरनेट उपयोग के लिए बहुत अच्छी सुरक्षा थी जो उनके शैक्षिक अनुभव और डेटा गोपनीय व ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

चौधरी (2020) ने स्नातक स्तर पर साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन नामक शीर्षक पर एक अध्ययन किया। हरियाणा राज्य के 500 स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श हेतु किया है। जिन्होंने अपने अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया। अध्ययन के परिणाम से पता चला कि पारंपरिक छात्रों की तुलना में पेशेवर छात्रों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा में काफी बेहतर जागरूकता है।

कोटाभारू (2018) ने न्यूज़ीलैंड में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा 8–21 वर्ष की आयु के विद्यार्थियों सुरक्षा जागरूकता को मापने के लिए सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। यह त्रिमुला, सर्राफज़ादेह और पैंग द्वारा आयोजित किया गया था। लेखकों के अनुसार, अधिकांश छात्रों को साइबर खतरों की उपस्थिति के बारे में पता नहीं था और वे साइबर सुरक्षा शब्द को नहीं जानते

और इसे साइबर सुरक्षा के उभरने से जोड़ता है। न्यूज़ीलैंड में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा 8–21 वर्ष की आयु के विद्यार्थियों के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता में कोई सार्थक अंतर है।

अहमद एट अल. (2018) ने बांग्लादेश के लोगों पर साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन किया। है। शोधकर्ता ने अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए ढाका के 1200 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया। शोधकर्ता ने स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया। लोग साइबर सुरक्षा के बारे में सचेत रूप से जागरूक हो सकें। जबकि बांग्लादेश के लोगों पर साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में सार्थक अन्तर पाया गया।

अनुसंधान विधि

शोधकर्ता ने शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

जनसंख्या

शोधकर्ता ने शोध अध्ययन में बरेली जनपद के समस्त स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया है।

न्यादर्श

शोधकर्ता ने शोध अध्ययन में बरेली जनपद के 120 स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि के द्वारा न्यादर्श हेतु चुना है।

अध्ययन का उपकरण

शोधकर्ता ने शोध अध्ययन में ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका को मापने के लिऐ अध्ययन हेतु स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

शोधकर्ता ने लघु शोध अध्ययन में आँकड़ों के मापन हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण का प्रयोग किया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान
पुरुष विद्यार्थी	55	107.32	11.09	0.17
महिला विद्यार्थी	65	105.30	12.61	

उपरोक्त तालिका 1 से दृष्टिगत होता है कि स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् पुरुष विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 107.32 व मानक विचलन 11.09 तथा स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् महिला विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 105.30 व मानक विचलन 12.61 पाया गया। टी परीक्षण का प्रयोग करने पर टी–मान 0.17 पाया गया, जो की सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.98 से कम है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना स्वीकृत पाई गई अर्थात् स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् महिला एवं पुरुष विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका के दृष्टिकोण में कोई अंतर सार्थक नहीं है। कारणतः स्नातक स्तर के महिला एवं पुरुष विद्यार्थी में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में समानता पाई गई।

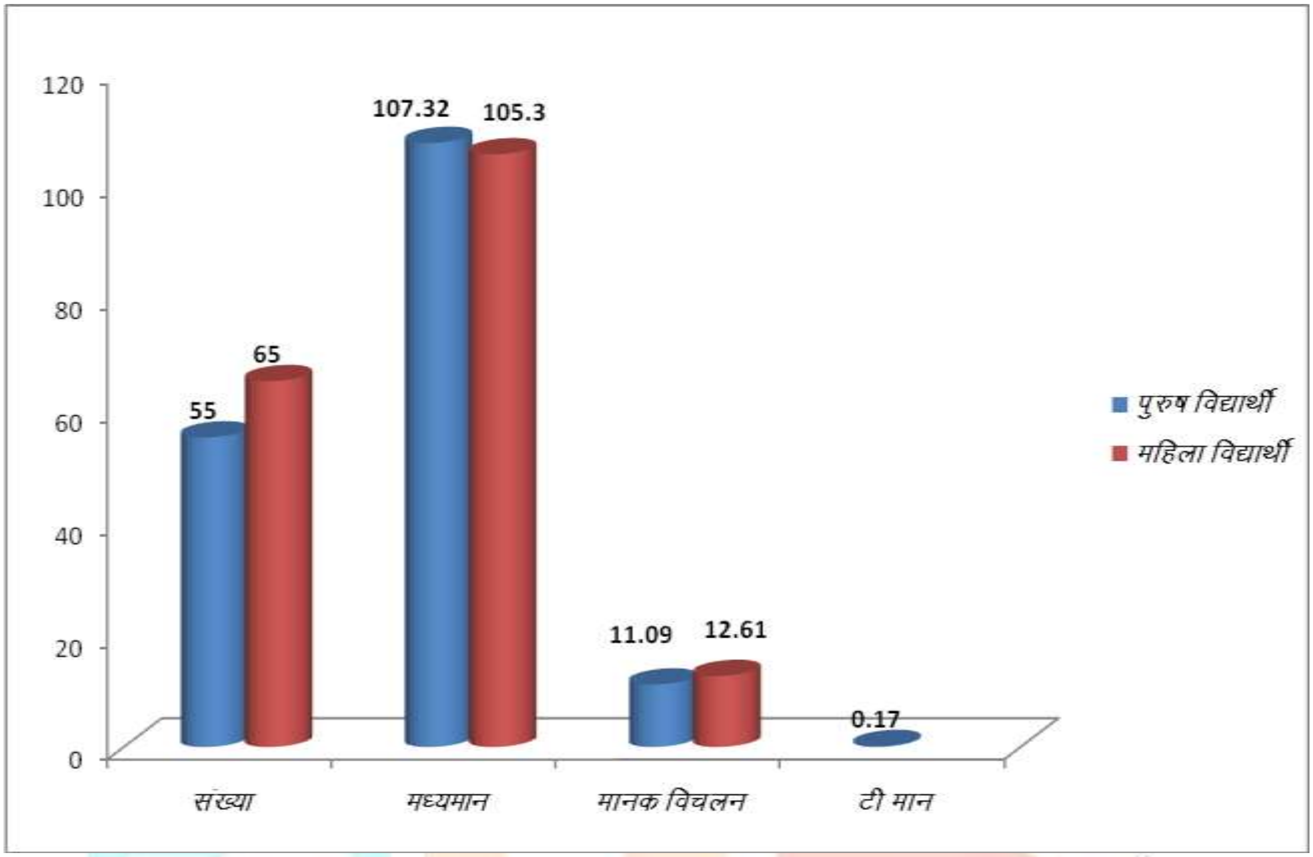

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् पुरुष एवं महिला विद्यार्थी में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का प्रस्तुतीकरण

तालिका 2

स्मूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान
ग्रामीण विद्यार्थी	61	106.37	12.01	0.44
शहरी विद्यार्थी	59	106.08	11.96	

उपरोक्त तालिका 2 से दृष्टिगत होता है कि स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् ग्रामीण विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 106.37 व मानक विचलन 12.01 तथा स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 106.08 व मानक विचलन 11.96 पाया गया। टी परीक्षण का प्रयोग करने पर टी–मान 0.44 पाया गया, जो की सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.98 से कम है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना स्वीकृत पाई गई अर्थात् स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका के दृष्टिकोण में कोई अंतर सार्थक नहीं है। कारणतः स्नातक स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में समानता पाई गई।

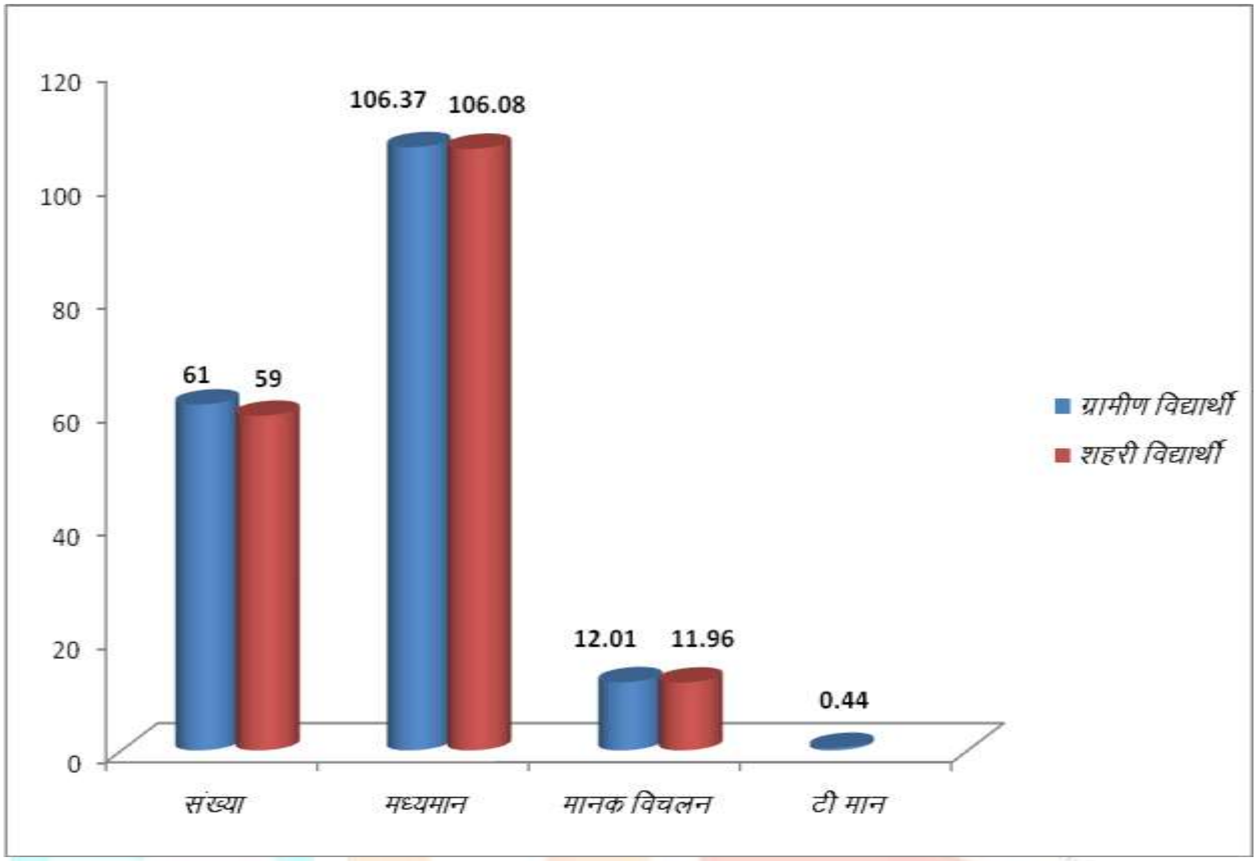

2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का प्रस्तुतीकरण

तालिका 3

स्मूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान
कला वर्ग विद्यार्थी	52	105.25	12.51	0.21
विज्ञान वर्ग विद्यार्थी	68	106.98	11.50	

उपरोक्त तालिका 3 से दृष्टिगत होता है कि स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् कला वर्ग विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 105.25 व मानक विचलन 12.51 तथा स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 106.98 व मानक विचलन 11.05 पाया गया। टी परीक्षण का प्रयोग करने पर टी–मान 0.21 पाया गया, जो की सार्थकता स्तर 0.05 के मान 1.98 से कम है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना स्वीकृत पाई गई अर्थात् स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् कला एवं विज्ञान वर्ग विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका के दृष्टिकोण में कोई अंतर सार्थक नहीं है। कारणतः स्नातक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग विद्यार्थी में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में समानता पाई गई।

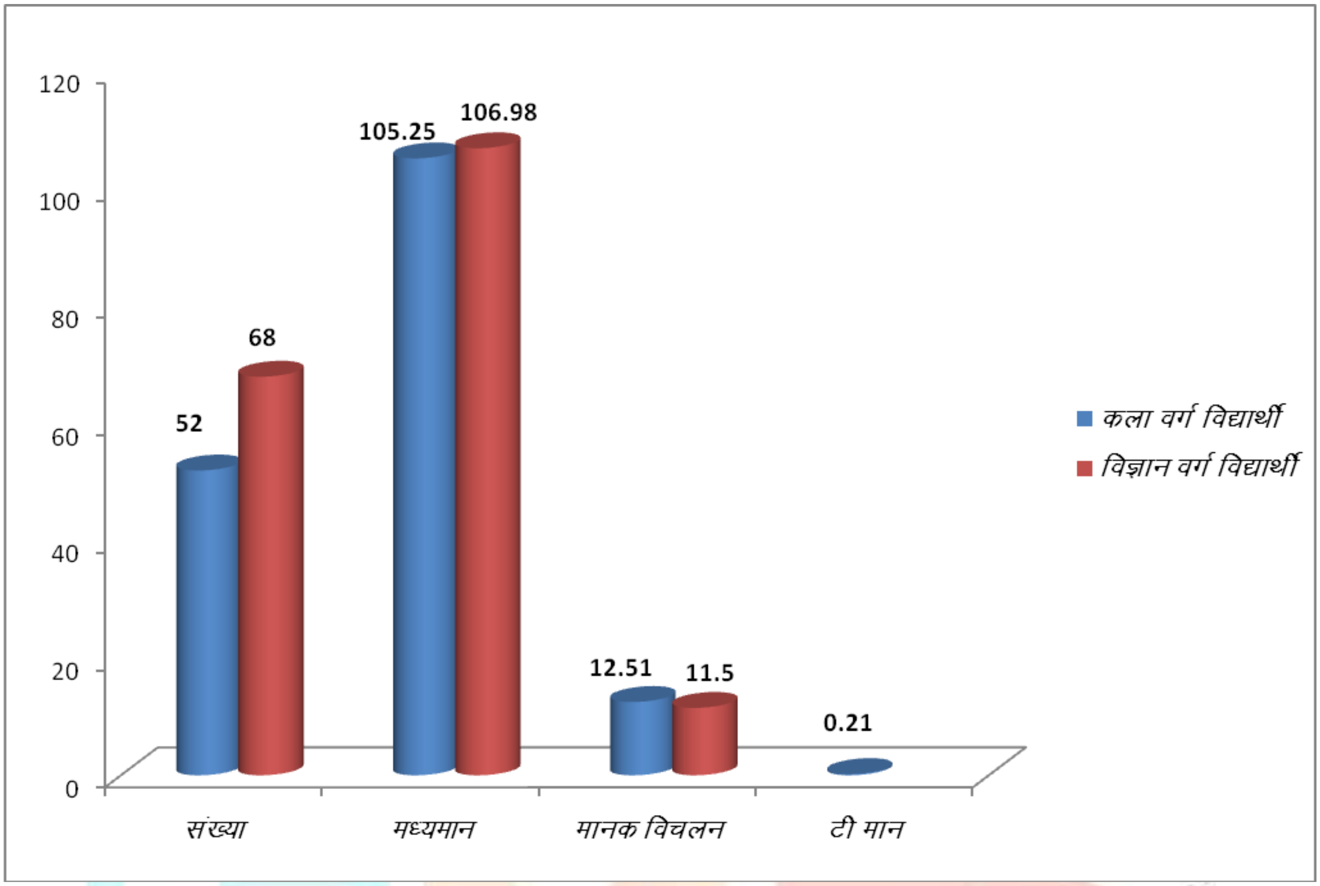

3. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् कलाएवं विज्ञान वर्ग विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का प्रस्तुतीकरण

तालिका 4

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान
सरकारी विद्यार्थी	39	106.23	11.93	3.72**
गैरसरकारी विद्यार्थी	81	103.71	11.66	

उपरोक्त तालिका 4 से दृष्टिगत होता है कि स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् सरकारी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 106.23 व मानक विचलन 11.93 तथा स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् गैर सरकारी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का मध्यमान 103.71 व मानक विचलन 11.66 पाया गया। टी परीक्षण का प्रयोग करने पर टी–मान 3.72 पाया गया, जो की सार्थकता स्तर 0.01 के मान 2.63 से ज्यादा है। अतः हमारी शून्य परिकल्पना पूर्णतः अस्वीकृत पाई गई अर्थात् स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका के दृष्टिकोण में पूर्णतः अंतर सार्थक है। कारणतः स्नातक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका में असमानता पाई गई।

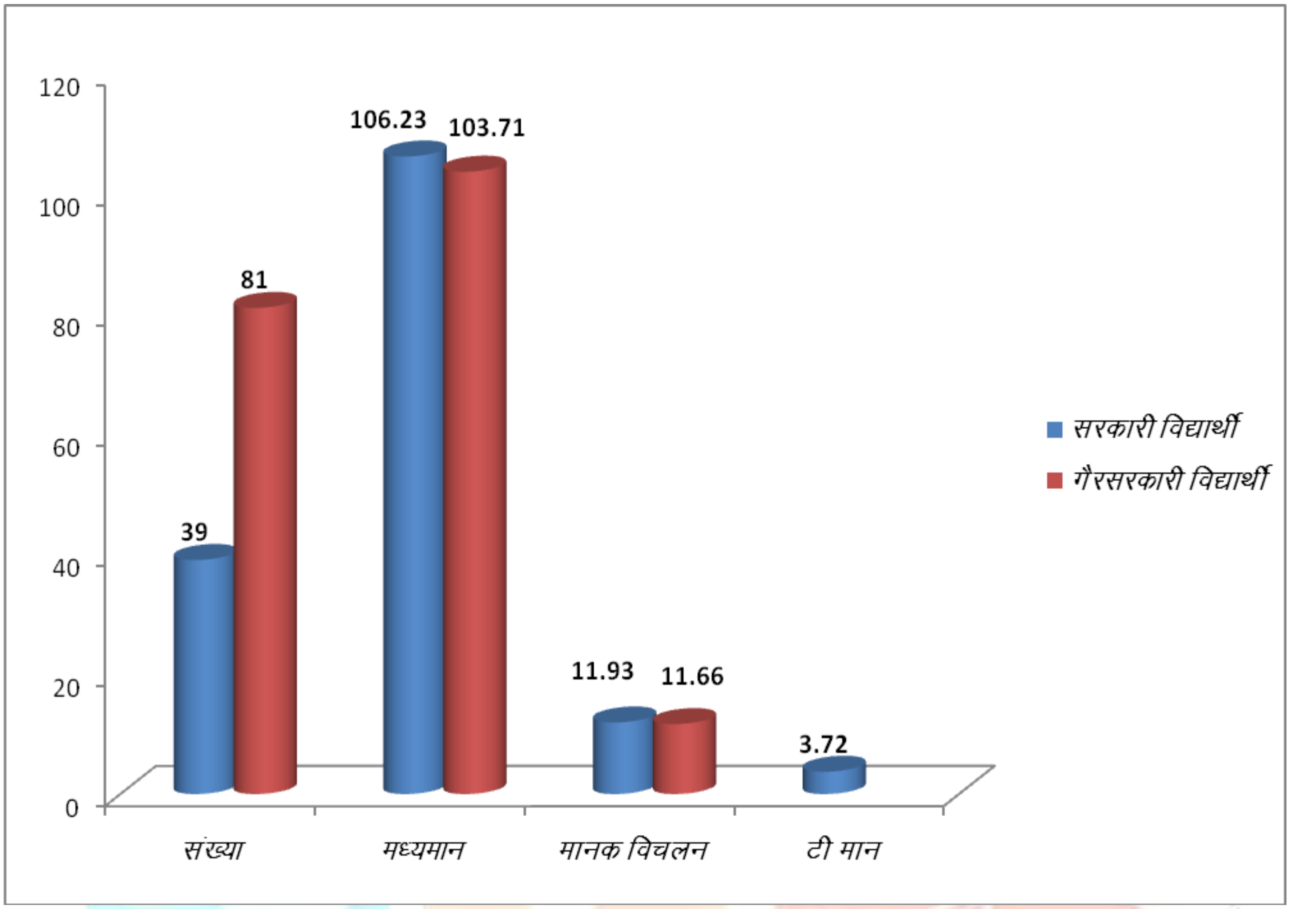

4. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का प्रस्तुतीकरण

शैक्षिक निहितार्थ

आज के विद्यार्थी ही भविष्य के नागरिक भी हैं एवं परिवार और समाज के सदस्य भी। अतः वे अपनी अन्तनिर्हित शक्तियों को सन्तुलित व्यक्तित्व के स्वामी बनकर व्यक्तिगत हितों के साथ–साथ पूरे राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का वहन करने में समर्थ होंगे तथा ऑनलाइन शिक्षा से उनका आत्मविश्वास स्तर बढ़ेगा जिसके द्वारा ज्ञान आसानी से अर्जित कर सकेंगे लेकिन सोशल नेटवर्क साइट्स का उपयोग करके ज्ञान अर्जित करना आज के युग में थोड़ा जोखिम भरा साधन है जिससे बचाव हेतु साइबर सुरक्षा बहुत जरूरी है

स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन करना उनके मानसिक सोच व दैनिक गतिविधि पर निर्भर करती है कि वह आज के युग में विद्यार्थी किन–किन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का उपयोग करते हैं और किन किन प्रकारों से उपयोग में लेते हैं तथा डिवाइसों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना जरूरी है विभिन्न मतों के आधार पर स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका का अध्ययन किया जा सकता है, जैसे

1. स्नातक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को इंटरनेट तकनीकी एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उच्च प्रशिक्षण दिया जाए जिससे साइबर सुरक्षा को बेहतर किया जा सकता है।
2. वर्तमान में साइबर सुरक्षा के प्रति शैक्षिक परिदृश्य में कम्प्यूटरकृत शिक्षा को बहुआयामी बनाने पर कार्य करना सम्भव हो सकेगा।
3. ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थियों द्वारा उपयोग किए गए सोशल नेटवर्क साइट्स पर अपनी निजी जानकारी व डाटा शेयर करने से बचाव रखना चाहिए जिससे साइबर सुरक्षा की बढ़ाया जा सकता हैं।

4. फेसबुक व्हाट्सएप व इंस्टाग्राम पर आए हुए लिंक को ओपन करने में विद्यार्थियों को सुरक्षा रखनी चाहिए जिससे वह हैकिंग के शिकार से बच सके।

सुझाव

1. शोधकर्ता ने शोध अध्ययन केवल जनपदीय स्तर तक ही सीमित रखा है भविष्य में इसे राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी किया जा सकता है।
2. शोधकर्ता ने शोध अध्ययन में केवल स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है भविष्य में इसे प्राथमिक व माध्यमिक स्तर पर भी किया जा सकता है।
3. शोधकर्ता ने शोध अध्ययन में केवल 120 विद्यार्थियों को ही न्यादर्श हेतु चुना गया भविष्य में इसे बढ़ाकर भी लिया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. एम. एम. यामीन, बी. कैट, और वी. गकिउलोस, साइबर रेंज और सुरक्षा परीक्षण बिस्तररू परिदृश्य, कार्य, उपकरण और वास्तुकला, कंप्यूटर और सुरक्षा। 2020
2. जे. श्रीनिवास, ए.के. दास, और एन. कुमार, साइबर सुरक्षा में सरकारी नियमरू रूपरेखा, मानक और सिफारिशें, फ़्यूचर। पीढ़ी. गणना. सिस्ट., 2019.
3. एम. वेंटर, आर. जे. ब्लिग्नॉट, के. रेनॉड, और एम. ए. वेंटर, साइबर सुरक्षा शिक्षा श्तीन आरश जितनी ही आवश्यक है, हेलियॉन, 2019।
4. जे0 (2013), ए स्टडी ऑन साइबर क्राइम एण्ड सिक्योरिटी सिनेरियो इन इंडिया इंटरनेशनल जर्नलस ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट रिसर्च, शोध प्रबन्ध, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल।
5. कपिल एच0के0 (1994) साइबर क्राइम एण्ड सिक्योरिटी'' आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।
6. गुड सी0वी0 (1962) '' साइबर सिक्योरिटी '' नई दिल्ली, यूरेशिया प्रकाशन भवन।
7. गैरेट, एच0ई0 (1994) '' साइबर क्राइम'' नई दिल्ली, कल्याणी प्रकाशन।
8. देसाई डी0एम0 (1971) '' साइबर क्राइम एण्ड सिक्योरिटी के प्रति ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका'' बड़ोदा, एम0एस0 विश्वविद्यालय।
9. देव, जी0एम0 (1985) ''भारत में शिक्षण साइबर क्राइम एण्ड सिक्योरिटी'' नई दिल्ली, शारदा पुस्तक भवन।
10. पाठक पी.डी. (1993) ''साइबर सिक्योरिटी का अध्ययन '' आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।